

पर्यावरणीय समाघात निर्धारण रिपोर्ट

का

कार्यपालक सार

जेडी स्टील इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड

[स्टील संयंत्र का विस्तार – इंडक्शन फर्नेस इकाई का विस्तार 29,200 टी.पी.ए. से 1,98,000 टी.पी.ए. तक (हॉट बिलेट्स / एम.एस. बिलेट्स / इंगोट्स), नई रोलिंग मिल # 1: 1 x 800 टी.पी.डी. क्षमता निर्माण के लिए 2,64,000 टी.पी.ए. (टी.एम.टी. बार, पात्रा, वायर रॉड, CR शीट्स, HR शीट्स, पाइप संयंत्र और अन्य री-रोल्ड उत्पादों - हॉट बिलेट्स के साथ 70% हॉट चार्जिंग और प्रोज्यूसर गैस या ईंधन के रूप में LDO के साथ RHF के माध्यम से शेष 30%) की स्थापना, नई रोलिंग मिल # 2 (स्क्रायर पाइप और गोल पाइप - 2,64,000 टी.पी.ए.), नया फेरो अलॉय इकाई (1x10 एम.वी.ए. - FeSi - 7700 टी.पी.ए./SiMn - 16,000 टी.पी.ए./FeMn - 28000 टी.पी.ए./FeCr - 16,000 टी.पी.ए.), नया कोल गैसीफायर (प्रोज्यूसर गैस - 1 x 5000 Nm³/घंटा और 1 x 16,000 Nm³/घंटा), नया ब्रिकेटिंग इकाई (100 किग्रा/घंटा) और नया स्लैग क्रशिंग इकाई (50,000 टी.पी.ए.)]

स्थान:

प्लॉट संख्या 16,

(खसरा संख्या 264, 265, 266, 268, 269, 270, 271, 482, 483),

औद्योगिक विकास केंद्र बोरई,

ग्राम-रसमडा, तहसील एवं जिला-दुर्ग, राज्य-छ.ग.

:- प्रेषित :-

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल छत्तीसगढ़

1.0 परियोजना विवरण

जेडी स्टील इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बोर्ड (सी.ई.सी.बी.) से प्लॉट संख्या 16 (खसरा संख्या 264, 265, 266, 268, 269, 270, 271, 482, 483), औद्योगिक विकास केंद्र बोराई, ग्राम-रसमडा, तहसील एवं जिला-दुर्ग, राज्य-छ.ग. में इंडक्शन फर्नेस की स्थापना के लिए सम्मति प्राप्त की है। अब उन्होंने मौजूदा संयंत्र को निम्नानुसार विस्तारित करने का प्रस्ताव दिया:

- इंडक्शन फर्नेस क्षमता का 29,200 टी.पी.ए. से 1,98,000 टी.पी.ए. तक विस्तार करने के लिए 8टी इंडक्शन फर्नेस को 1x15 T से बदलकर अतिरिक्त 3x15 T इंडक्शन फर्नेस स्थापित करके हॉट बिलेट्स/एम.एस. बिलेट्स/इनगॉट्स के निर्माण करना।
- रोलिंग मिल # 1: 1 x 800 टी.पी.डी. क्षमता निर्माण के लिए 2,64,000 टी.पी.ए. टी.एम.टी. बार, पात्रा, वायर रॉड, CR शीट्स, HR शीट्स, पाइप संयंत्र और अन्य री-रोल्ल उत्पादों (हॉट बिलेट्स के साथ 70% हॉट चार्जिंग और प्रोड्यूसर गैस या ईंधन के रूप में एलडीओ के साथ आरएचएफ के माध्यम से शेष 30%) की स्थापना।
- रोलिंग मिल # 2: 1 x 800 टी.पी.डी. क्षमता के निर्माण के लिए 2,64,000 टी.पी.ए. स्क्रायर पाइप और राउंड पाइप (आरएचएफ के माध्यम से) की स्थापना।
- FeSi - 7700 टी.पी.ए. / SiMn - 16,000 टी.पी.ए. / FeMn - 28000 टी.पी.ए. / FeCr - 16,000 टी.पी.ए. के निर्माण के लिए क्षमता 1 x 10 एम.वी.ए. की सबमर्ज्ड इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस की स्थापना।
- 16,000Nm³/घंटे की कोयला गैसीफायर इकाई की स्थापना।
- 100 किग्रा/घंटा क्षमता की ब्रिकेटिंग इकाई की स्थापना।
- 50,000 टी.पी.ए. क्षमता की स्लैग क्रशिंग इकाई की स्थापना।

प्रस्तावित परियोजना के लिए अनुमानित परियोजना लागत 149.0 करोड़ रुपये है।

6.11 हेक्टेयर (15.0 एकड़) भूमि छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (सीएसआईडीसी लिमिटेड) द्वारा 2 जून 2021 को आवंटित की गई है।

मौजूदा संयंत्र औद्योगिक विकास केंद्र, बोराई में स्थित है। अतः भूमि उपयोग को औद्योगिक उद्देश्य में परिवर्तित करने की आवश्यकता नहीं है।

प्रस्तावित विस्तार उसी परिसर में किया जाएगा, जिसके लिए अनुमत क्षमता के लिए सी.ई.सी.बी. द्वारा सी.टी.ई. जारी किया गया है।

ई.आई.ए. अधिसूचना 2006 और इसके बाद के क्रमवर्ती संशोधनों के अनुसार अनुमत क्षमता के लिए पूर्व EC की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इंडक्शन फर्नेस की उत्पादन क्षमता 30,000 टी.पी.ए. से कम है।

भूमि अधिग्रहण की स्थिति इस प्रकार है: -

तालिका संख्या 1.1: भूमि अधिग्रहण की स्थिति

भूमि अधिग्रहण की स्थिति	विस्तार (हेक्टेयर में)	विस्तार (एकड़ में)
भूमि छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (सीएसआईडीसी लिमिटेड) द्वारा आवंटित की जाती है।	6.11	15.0
कुल भूमि	6.11	15.0

प्रस्तावित स्टील संयंत्र के लिए पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त करने के लिए, फॉर्म- I, प्रस्तावित टीओआर पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट के साथ माननीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ और सीसी), नई दिल्ली को **05 अगस्त 2022** को प्रस्ताव संख्या **आईए/सीजी/आईएनडी/233702/2022** के माध्यम से प्रस्तुत किया गया था। तदनुसार, स्टील संयंत्र के प्रस्तावित विस्तार के लिए फ़ाइल संख्या **IA-J-11011/432/2021-IA-II (IND-I)**, दिनांक **18 अगस्त 2022** के लिए मानक TOR जारी किया गया है। माननीय EAC द्वारा निर्धारित टीओआर को शामिल करके EIA रिपोर्ट को तैयार की गयी है। ।

पायनियर एनवायरो लेबोरेटरीज एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, जिसे नाबेट, क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त है, मेटालर्जिकल इकाई के लिए ई.आई.ए. रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रमाण पत्र संख्या नाबेट / ई.आई.ए. / 1922 / एस.ए. 0148 (Rev.01), ने पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ई.आई.ए.) तैयार किया है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित टीओआर को शामिल करके प्रस्तावित विस्तार परियोजना के लिए रिपोर्ट में निम्नलिखित मुख्य बिंदु है:

- प्रस्तावित संयंत्र के 10 किलोमीटर के त्रिज्या क्षेत्र के पर्यावरणीय कारक जैसे जल, वायु, भूमि, ध्वनि, वनस्पति, जीव एवं सामाजिक स्तर आदि विशेष गुणों का वर्तमान परिदृश्य।
- ध्वनि विस्तार मूल्यांकन के साथ प्रस्तावित विस्तार परियोजना से वायु उत्सर्जन, तरल अपशिष्ट और ठोस अपशिष्ट का आकलन।
- पर्यावरण प्रबंधन योजना में प्रस्तावित विस्तार परियोजना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ग्रीनबेल्ट विकास में अपनाए जाने वाले उत्सर्जन नियंत्रण उपायों को शामिल किया गया है।
- परियोजना परियोजना पर्यावरण निगरानी और पर्यावरण संरक्षण के उपायों के लिए बजट।

1.1 संयंत्र क्षेत्र के 10 किलोमीटर के दायरे में पर्यावरणीय स्थापना

संयंत्र क्षेत्र के 10 किलोमीटर के दायरे में पर्यावरणीय परिस्थिति निम्नलिखित है:

तालिका क्रमांक 1.1: संयंत्र क्षेत्र के 10 किलोमीटर के दायरे में पर्यावरणीय स्थापना

अनु. क्र.	मुख्य विशेषताएं / पर्यावरणीय विशेषताएं	स्थल से दूरी / टिप्पणियां
1.	भूमि का प्रकार (परियोजना स्थल)	मौजूदा संयंत्र औद्योगिक विकास केंद्र, बोराई में स्थित है। इसलिए भूमि का कोई रूपांतरण परिकल्पित नहीं है।
2.	भूमि का प्रकार (अध्ययन क्षेत्र)	बस्तियाँ (6.9 %), औद्योगिक क्षेत्र (3.3 %), टैंक / नदी / जलाशय (8.8 %), स्क्रब वन (2.8 %), एकल फसल (59.8 %), दोहरी फसल (5.4 %), वृक्षारोपण (4.1 %), स्क्रब के साथ भूमि (5.4 %), बिना स्क्रब की जमीन (1.9 %), पत्थर खदान (1.6 %)
3.	राष्ट्रीय उद्यान / वन्य जीव अभयारण्य / बायोस्फीयर आरक्षित / व्याघ्र आरक्षित / हाथी गलियारा / पक्षियों के लिए प्रवासी मार्ग	निरंक
4.	ऐतिहासिक स्थल/ पर्यटन स्थल / पुरातात्विक स्थल	निरंक
5.	पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय कार्यालय ज्ञापन दिनांक 13 जनवरी 2010 के अनुसार गंभीर रूप से प्रदूषित क्षेत्र।	निरंक और साथ ही संयंत्र क्षेत्र माननीय एन.जी.टी. के दिनांक 10 जुलाई 2019 के आदेश में दिए गए क्षेत्रों में नहीं आता है।
6.	रक्षा प्रतिष्ठान	निरंक
7.	निकटतम ग्राम	रसमडा गांव 0.8 किमी (पूर्व दिशा) पर
8.	अध्ययन क्षेत्र में गांवों की संख्या	40
9.	निकटतम अस्पताल	रसमडा गांव में पीएचसी 1.5 किलोमीटर (पूर्व दिशा) में
10.	निकटतम विद्यालय	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रसमडा गाँव में 1.4 कि.मी. (पूर्व दिशा)
11.	वन	अनाम आरक्षित वन: 2.8 कि.मी. (उत्तर पश्चिम दिशा)
12.	जल स्रोत	शिवनाथ नदी 2.9 किलोमीटर - पूर्व दिशा में
13.	निकटतम राजमार्ग	राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 6 1.7 किलोमीटर की दूरी पर - सड़क मार्ग से - पूर्व दिशा में

अनु. क्र.	मुख्य विशेषताएं / पर्यावरणीय विशेषताएं	स्थल से दूरी / टिप्पणियां
14.	निकटतम रेलवे स्टेशन	रसमडा रेलवे स्टेशन उत्तर पूर्व दिशा में 1.2 किलोमीटर पर
15.	निकटतम बंदरगाह	10 किलोमीटर के दायरे में मौजूद नहीं है।
16.	निकटतम हवाई अड्डा	10 किलोमीटर के दायरे में मौजूद नहीं है।
17.	निकटतम अंतरराज्यीय सीमा	कोई नहीं
18.	IS-1893 के अनुसार भूकंपीय क्षेत्र	भूकंपीय क्षेत्र - II
19.	पुनर्वास और पुनःस्थापन संबंधी	कोई पुनर्वास और पुनर्स्थापन समस्या नहीं है, क्योंकि परियोजना स्थल औद्योगिक विकास केंद्र बोराई में स्थित है।
20.	प्रस्तावित परियोजना/प्रस्तावित स्थल अथवा परियोजना के विरुद्ध न्यायालय द्वारा पारित किसी निर्देश के विरुद्ध मुकदमा/अदालत का मामला लंबित है।	कोई नहीं

1.2 संयंत्र विन्यास और उत्पादन क्षमता

निम्नलिखित मौजूदा और प्रस्तावित संयंत्र विन्यास और उत्पादन क्षमता है: -

तालिका क्रमांक 1.2: प्रस्तावित संयंत्र विन्यास और उत्पादन क्षमता

अ.क्र.	इकाई (उत्पाद)	संयंत्र विन्यास (उत्पादन क्षमता)		विस्तार के बाद कुल
		मौजूदा (सी.टी.ई. प्राप्त)	विस्तार	
1.	इंडक्शन फर्नेस (हॉट बिलेट्स / माइल्ड स्टील बिलेट्स ब्लूमस)	(8 T) 29,200 टी.पी.ए.	1 x 15 T और 3 x 15 MT (1,98,000 टी.पी.ए.) [8 T आईएफ को 1 x 15 T से बदला जाएगा]	1 x 15 T और 3 x 15 MT (1,98,000 टी.पी.ए.)
2.	रोलिंग मिल # 1 (टी.एम.टी. बार, पात्रा, वायर रॉड, CR शीट्स, HR शीट्स, पाइप संयंत्र और अन्य री-रोल्ल उत्पाद)	--	1 x 800 टी.पी.डी. (2,64,000 टी.पी.ए.)	1 x 800 टी.पी.डी. (2,64,000 टी.पी.ए.)

	(70% हॉट बिलेट्स के साथ हॉट चार्जिंग और शेष 30% आरएचएफ के माध्यम से प्रोज्यूसर गैस या एलडीओ के साथ ईंधन के रूप में)			
3.	रोलिंग मिल # 2 (स्क्रायर पाइप और गोल पाइप)	--	1 x 800 टी.पी.डी. (2,64,000 टी.पी.ए.)	1 x 800 टी.पी.डी. (2,64,000 टी.पी.ए.)
4.	फेरो अलॉय इकाई	--	1 x 10 एम.वी.ए. (FeSi – 7700 टी.पी.ए. / SiMn – 16,000 टी.पी.ए. / FeMn – 28000 टी.पी.ए. / FeCr – 16,000 टी.पी.ए.)	1 x 10 एम.वी.ए. (FeSi – 7700 टी.पी.ए. / SiMn – 16,000 टी.पी.ए. / FeMn – 28000 टी.पी.ए. / FeCr – 16,000 टी.पी.ए.)
5.	कोयला गैसीफायर (प्रोज्यूसर गैस)	--	1 x 5000 Nm ³ /घंटा और 1 x 16,000 Nm ³ /घंटा	1 x 5000 Nm ³ /घंटा और 1 x 16,000 Nm ³ /घंटा
6.	स्लैग क्रशिंग इकाई	--	50,000 टी.पी.ए.	50,000 टी.पी.ए.
7.	ब्रिकेटिंग संयंत्र	--	100 किलोग्राम/घंटा	100 किलोग्राम/घंटा

1.3 कच्चे माल की आवश्यकता

प्रस्तावित परियोजना के लिए निम्नलिखित कच्चे माल की आवश्यकता होगी:

तालिका क्रमांक 1.3: कच्चे माल की आवश्यकता, स्रोत और परिवहन का तरीका

अ. क्र.	कच्चा माल	मात्रा (टी.पी.ए.)	स्रोत	स्थल से दूरी (किमी में)	परिवहन के साधन
1.	स्टील मेल्टिंग शाॅप के लिए (हॉट बिलेट्स/एम.एस. बिलेट्स/इनगॉट्स)–1,98,000 टी.पी.ए. (4 x 15 T)				
a)	स्पंज आयरन	2,00,000	छत्तीसगढ़	~ 100 किमी.	रास्ते से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
b)	एम.एस. स्क्रेप / पिग आयरन	30,000	छत्तीसगढ़	~ 100 किमी.	रास्ते से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
c)	फेरो अलॉय	10,000	स्वउत्पादित	---	रास्ते से

अ. क्र.	कच्चा माल	मात्रा (टी.पी.ए.)	स्रोत	स्थल से दूरी (किमी में)	परिवहन के साधन	
					(ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)	
2.	रोलिंग मिल # 1 के लिए हॉट चार्जिंग और आरएचएफ के माध्यम से - 2,64,000 टी.पी.ए.					
a)	हॉट बिलेट्स	1,92,192	स्वउत्पादित	----	----	
b)	बिलेट्स	87,120	छत्तीसगढ़	~ 100 किमी.	रास्ते से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)	
c)	LDO	2560 किलो लीटर/वार्षिक	निकटवर्ती आई.ओ.सी.एल. डिपो	~ 100 किमी.	रास्ते से (टैंकरों के माध्यम से)	
d)	कोयला गैसीफायर (प्रोड्यूसर गैस) - 5000 Nm ³ /घंटा	भारतीय कोयला	14,250	एस.ई.सी.एल. छत्तीसगढ़ / एम.सी.एल. उड़ीसा	~ 500 किमी.	रेल और सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
		आयातित कोयला	9,200	इंडोनेशिया/दक्षिण अफ्रीका/ऑस्ट्रेलिया	~ 600 किमी. (विजाग बंदरगाह से)	समुद्री मार्ग, रेल मार्ग और सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
3.	रोलिंग मिल # 2 के लिए RHF के माध्यम से - 2,64,000 टी.पी.ए.					
a)	बिलेट्स	2,90,400	छत्तीसगढ़	~ 100 किमी.	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)	
b)	LDO	8550 किलो लीटर/वार्षिक	निकटवर्ती आई.ओ.सी.एल. डिपो	~ 100 किमी.	सड़क मार्ग से (टैंकरों के माध्यम से)	
c)	कोयला गैसीफायर (प्रोड्यूसर गैस) - 16,000 Nm ³ / घंटा	भारतीय कोयला	47,520	एस.ई.सी.एल. छत्तीसगढ़ / एम.सी.एल. उड़ीसा	~ 500 किमी.	रेल और सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों द्वारा)
		आयातित कोयला	30,400	इंडोनेशिया/दक्षिण अफ्रीका/ऑस्ट्रेलिया	~ 600 किमी. (विजाग बंदरगाह से)	समुद्री मार्ग, रेल मार्ग और सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
4.	फेरो अलॉय के लिए (1 x 10 एम.वी.ए.)					
4 (i)	फेरो सिलिकॉन के लिए - 7,700 टी.पी.ए.					
a)	क्वार्ट्ज	11,704	छत्तीसगढ़ / आंध्र प्रदेश	~ 500 किमी.	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)	

अ. क्र.	कच्चा माल	मात्रा (टी.पी.ए.)	स्रोत	स्थल से दूरी (किमी में)	परिवहन के साधन
b)	मिल स्केल	1,810	इनहाउस जनरेशन	---	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
c)	एम.एस. स्क्रेप	270			
d)	एलएएम कोक	4,312	आंध्र प्रदेश	~ 500 किमी.	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
e)	इलेक्ट्रोड पेस्ट	154	महाराष्ट्र/पश्चिम बंगाल	~ 300 किमी.	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
f)	ब्रिकेटेड बैग फिल्टर धूल	293	स्वउत्पादित	---	---
4 (ii)	फेरो मैंगनीज के लिए - 28,000 टी.पी.ए.				
a)	मैंगनीज अयस्क	63,700	मॉयल/ओ.एम.सी.	~ 500 किमी.	रेल और सड़क द्वारा (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
b)	LAM कोक	10,220	आंध्र प्रदेश	~ 500 किमी.	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
c)	डोलोमाइट	4,760	छत्तीसगढ़ / आंध्र प्रदेश	~ 500 किमी.	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
d)	एम.एस. स्क्रेप / मिल स्केल	4,200	इनहाउस जनरेशन	---	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
e)	इलेक्ट्रोड पेस्ट	364	महाराष्ट्र/पश्चिम बंगाल	~ 300 किमी.	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
f)	ब्रिकेट बैग फ़िल्टर धूल	1,400	स्वउत्पादित	---	---
4(iii)	सिलिको मैंगनीज के लिए - 16,000 टी.पी.ए.				
a)	मैंगनीज अयस्क	26,080	मॉयल/ओ.एम.सी.	~ 500 किमी.	रेल और सड़क द्वारा (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
b)	FeMn स्लैग	16,929	इनहाउस जनरेशन	---	----
c)	LAM कोक	6,000	आंध्र प्रदेश	~ 500 किमी.	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)

अ. क्र.	कच्चा माल	मात्रा (टी.पी.ए.)	स्रोत	स्थल से दूरी (किमी में)	परिवहन के साधन
d)	डोलोमाइट	3,600	छत्तीसगढ़ / आंध्र प्रदेश	~ 500 किमी.	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
e)	इलेक्ट्रोड पेस्ट	320	महाराष्ट्र/पश्चिम बंगाल	~ 300 किमी.	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
f)	कार्टज	3,840	छत्तीसगढ़ / आंध्र प्रदेश	~ 500 किमी.	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
g)	ब्रिकेटेड बैग फिल्टर धूल	240	स्वउत्पादित	---	---
4 (iv)	फेरो क्रोम के लिए – 16,000 टी.पी.ए.				
a)	क्रोम अयस्क	32,000	सुकिडा, उड़ीसा आयात, दक्षिण अफ्रीका	~ 500 किमी. ~ 600 किमी. (विजाग बंदरगाह से)	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से) बंदरगाह से सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों द्वारा)
b)	LAM कोक	5,280	आंध्र प्रदेश	~ 500 किमी.	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
c)	कार्टज	2,800	छत्तीसगढ़ / आंध्र प्रदेश	~ 500 किमी.	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
d)	एम.एस. स्क्रेप / मिल स्केल	2,400	इनहाउस जनरेशन	---	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
e)	मैग्नेटाइट / बॉक्साइट	2,704	छत्तीसगढ़ / महाराष्ट्र	~ 500 किमी.	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
f)	इलेक्ट्रोड पेस्ट	480	महाराष्ट्र/पश्चिम बंगाल	~ 300 किमी.	सड़क मार्ग से (ढके हुए ट्रकों के माध्यम से)
g)	ब्रिकेटेड बैग फिल्टर धूल	1,024	स्वउत्पादित	---	---

1.4 निर्माण प्रक्रिया

1.4.1 स्टील मेल्टिंग शॉप

स्टील मेल्टिंग शॉप में स्पंज आयरन (2,00,000 टी.पी.ए.) को एम.एस. स्क्रेप/पिग आयरन (30,000 टी.पी.ए.), फेरो अलॉयज (10,000 टी.पी.ए.) के साथ पिघलाया जाएगा और 4 15 टी इंडक्शन फर्नेस में फ्लक्स को शुद्ध तरल स्टील बनाया जाएगा। 1,98,000 टी.पी.ए. हॉट बिलेट्स / एम.एस. बिलेट्स / इनगॉट्स के निर्माण के लिए तब प्राप्त तरल सामग्री को कंटीन्यूअस कास्टिंग मशीन (सीसीएम) में डाला जाता है।

1.4.2 रोलिंग मिल

रोलिंग मिल # 1 में, सीसीएम से हॉट बिलेट्स (1,92,192 टी.पी.ए.) मोटरों द्वारा संचालित लगातार रोलिंग मिल स्टैंड के माध्यम से पतले और लंबे समय तक रोल्ड हैं। 1 x 800 टी.पी.डी. रोलिंग मिल स्थापित की जाएगी और 70% हॉट चार्जिंग और शेष 30% आरएचएफ के माध्यम से प्रोड्यूसर गैस/एलडीओ के साथ ईंधन के रूप में संचालित की जाएगी। रोलिंग मिल # 1 के आरएचएफ की ईंधन आवश्यकता को पूरा करने के लिए 5000 Nm³/घंटा क्षमता का कोयला गैसीफायर स्थापित किया जाएगा।

रोलिंग मिल # 2 में, सीसीएम से बिलेट्स (2,90,400 टी.पी.ए.) मोटरों द्वारा संचालित लगातार रोलिंग मिल स्टैंड के माध्यम से पतले और लंबे समय तक रोल्ड हैं। 1 x 800 टी.पी.डी. रोलिंग मिल स्थापित की जाएगी और ईंधन के रूप में प्रोड्यूसर गैस/एलडीओ के साथ आरएचएफ के माध्यम से संचालित की जाएगी। रोलिंग मिल # 2 के आरएचएफ की ईंधन आवश्यकता को पूरा करने के लिए 16000 Nm³/घंटा क्षमता का कोयला गैसीफायर स्थापित किया जाएगा।

1.4.3 फेरो अलॉय

वर्तमान प्रस्ताव में, एक 10 एम.वी.ए. सबमर्ज्ड इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस प्रत्येक को स्थापित किया जाएगा। तीन कार्बन इलेक्ट्रोड, आंशिक रूप से आवेश में डूबे हुए, वांछित विद्युत स्थितियों को बनाए रखने के लिए ऊपर और नीचे की ओर गति के लिए हाइड्रोलिक सिलेंडरों पर समर्थित हैं। FeSi - 7700 टी.पी.ए. / SiMn - 16,000 टी.पी.ए. / FeMn - 28000 टी.पी.ए. / FeCr - 16,000 टी.पी.ए. का निर्माण किया जाएगा।

उपरोक्त के साथ-साथ एस.एम.एस. स्लैग और फेरो अलॉय स्लैग को संभालने के लिए क्रमशः स्लैग क्रशिंग इकाई, ब्रिकेटिंग इकाई स्थापित की जाएगी।

1.5 जल की आवश्यकता

- प्रस्तावित विस्तार परियोजना के बाद जल की आवश्यकता 688 केएलडी होगी। इसमें इंडक्शन फर्नेस, रोलिंग मिल, फेरो अलॉय इकाई, कोल गैसीफायर, स्लैग क्रशिंग इकाई, ब्रिकेटिंग इकाई, ग्रीनबेल्ट डेवलपमेंट और घरेलू उद्देश्य के लिए मेक अप वॉटर शामिल है।
- सीएसआईडीसी लिमिटेड द्वारा पूरी परियोजना के लिए आवश्यक जल की आपूर्ति की जाएगी। जल की आपूर्ति के लिए सीएसआईडीसी लिमिटेड को आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

तालिका क्रमांक 1.4: प्रस्तावित विस्तार के बाद जल की आवश्यकता और विवरण

अ. क्र.	इकाई	मात्रा (के.एल.डी. में)
1.	इंडक्शन फर्नेस	140
2.	रोलिंग मिलें	480
3.	फेरो अलॉय संयंत्र	30
4.	कोयला गैसीफायर इकाई	10
5.	स्लैग क्रशिंग और ब्रिकेटिंग इकाई	10
6.	हरित पट्टी विकास	8
7.	घरेलू	10
	कुल	688

1.6 दूषित जल उत्पादन

- प्रस्तावित परियोजना से उत्पन्न कुल दूषित जल 58 केएलडी होगा।
- इंडक्शन फर्नेस, फेरो अलॉय संयंत्र से उत्पन्न दूषित जल को ईटीपी में उपचारित किया जाएगा और हरितपट्टी के विकास के लिए उपयोग किया जाएगा।
- रोलिंग मिल से दूषित जल को तेल विभाजक के बाद सेटलिंग टैंक में भेजा जाएगा और बंद सर्किट शीतलन प्रणाली के माध्यम से पुनर्नवीनीकरण किया जाएगा।
- कोयला गैसीफायर से उत्पन्न दूषित जल में फेनोलिक यौगिक होते हैं जो आस-पास की डीआरआई इकाइयों को एबीसी कक्ष में उपयोग करने के लिए दिए जाएंगे।
- सेनेटरी दूषित जल को एसटीपी में उपचारित किया जाएगा और उपचार के बाद इसे हरितपट्टी के विकास के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।
- आरओ रिजेक्ट्स का उपयोग फर्श की धुलाई, शौचालय की सफाई और फ्लशिंग के लिए किया जाएगा।

- मानसून के दौरान उपचारित एफ्लुएंट का उपयोग रोलिंग मिल में मेक-अप जल के रूप में किया जाएगा। इस हिसाब से बरसात के दिनों में रोलिंग मिल का मेक-अप जल भी कम हो जाता है।
- जीरो लिक्विड एफ्लुएंट डिस्चार्ज प्रैक्टिस अपनाई जाएगी।

तालिका क्रमांक 1.5: दूषित जल के उत्सर्जन का विवरण

अनु क्रमांक	स्रोत	उत्सर्जन (के.एल.डी. में)
1.	इंडक्शन फर्नेस	10
2.	रोलिंग मिल	30
3.	फेरो अलॉय इकाई	2
4.	कोयला गैसीफायर इकाई	8
5.	सेनेटरी दूषित जल	8
	कुल	58

2.0 पर्यावरण का विवरण

संयंत्र के 10 किलोमीटर के दायरे में परिवेशी वायु गुणवत्ता, जल की गुणवत्ता, ध्वनि का स्तर, मिट्टी की गुणवत्ता, वनस्पतियों और जीवों और लोगों के सामाजिक-आर्थिक विवरण पर आधारभूत डेटा एकत्र किया गया है।

2.1 परिवेशी वायु गुणवत्ता

15 अक्टूबर 2021 से 15 जनवरी 2022 के दौरान परियोजना स्थल सहित 8 स्टेशनों पर PM_{2.5}, PM₁₀, SO₂, NO_x और CO के लिए परिवेशी वायु गुणवत्ता की निगरानी की गई थी। निम्नलिखित निगरानी स्टेशनों पर विभिन्न मापदंडों की सांद्रता हैं:

तालिका क्रमांक 2.1: परिवेशी वायु गुणवत्ता सारांश

अनुक्रमांक	पैरामीटर	संकेंद्रण सीमा	NAAQS के अनुसार मानक
1.	PM _{2.5}	25.1 से 47.1 माइक्रोग्राम / घन मीटर	60
2.	PM ₁₀	43.6 से 78.5 माइक्रोग्राम / घन मीटर	100
3.	SO ₂	8.8 से 17.3 माइक्रोग्राम / घन मीटर	80
4.	NO _x	10.1 से 19.2 माइक्रोग्राम / घन मीटर	80
5.	CO	530 से 1350 माइक्रोग्राम / घन मीटर	2000

2.2 जल की गुणवत्ता

2.2.1 सतही जल गुणवत्ता

शिवनाथ नदी से 2 नमूने अर्थात 60 मीटर अपस्ट्रीम और 60 मीटर डाउनस्ट्रीम (2.9 किलोमीटर - पूर्व दिशा) एकत्र किए गए हैं और विभिन्न मापदंडों के लिए उनका विश्लेषण किया गया है। नमूनों के विश्लेषण से पता चलता है कि सभी पैरामीटर बी.आई.एस.2296 विनिर्देशों के अनुसार हैं।

2.2.2 भूजल की गुणवत्ता

कुओं / बोरवेलों से 8 भूजल नमूनों को भू-जल गुणवत्ता प्रभावों का आकलन करने के लिए पास के गांवों से एकत्र किया गया और विभिन्न भौतिक-रासायनिक मापदंडों के लिए विश्लेषण किया गया। नमूनों के विश्लेषण से पता चलता है कि सभी पैरामीटर बी.आई.एस.: 10500 मानदण्ड के अनुसार हैं।

2.3 ध्वनि का स्तर

दिन के समय और रात के समय 8 स्थानों पर ध्वनि का स्तर मापा गया। निगरानी स्टेशनों पर ध्वनि का स्तर 49.6 डी.बी. (A) से 60.1 डी.बी. (A) तक है।

3.0 पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन तथा रोकथाम

3.1 वायु की गुणवत्ता पर प्रभाव की भविष्यवाणी

प्रस्तावित परियोजना से संभावित उत्सर्जन PM₁₀, SO₂, NO_x और CO हैं। जमीनी स्तर की सांद्रता की भविष्यवाणी औद्योगिक स्रोत परिसर (आईएससी -3) मॉडल का उपयोग करके की गई है। मौसम संबंधी डेटा जैसे वायु की दिशा, वायु की गति, साइट पर एकत्र किए गए अधिकतम और न्यूनतम तापमान को मॉडल चलाने के लिए इनपुट डेटा के रूप में उपयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 3.1: प्रस्तावित परियोजना के संचालन के दौरान शुद्ध परिणामी अधिकतम सांद्रता (एपीसीएस कार्य परिदृश्य)

विषय	PM ₁₀ (µg/m ³)	SO ₂ (µg/m ³)	NO _x (µg/m ³)	CO (µg/m ³)
अध्ययन क्षेत्र में अधिकतम आधारभूत सघनता	78.5	17.3	19.2	1350
प्रस्तावित परियोजना के कारण सघनता में अधिकतम अनुमानित वृद्धिशील वृद्धि (बिंदु स्रोत)	2.0	3.8	12.7	---

प्रस्तावित परियोजना (वाहन उत्सर्जन) के कारण सघनता में अधिकतम अनुमानित वृद्धिशील वृद्धि	0.40	----	0.4	2.1
प्रस्तावित परियोजना के संचालन के दौरान शुद्ध परिणामी सांद्रता	80.9	21.1	32.3	1352.1
राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक	100	80	80	2000

प्रस्तावित परियोजना के संचालन के दौरान शुद्ध परिणामी जमीनी स्तर एनएएक्यूएस के भीतर हैं। अतः प्रस्तावित परियोजना से वायु पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

3.2 ध्वनि की गुणवत्ता पर प्रभाव की भविष्यवाणी

प्रस्तावित परियोजना में ध्वनि उत्पन्न करने के प्रमुख स्रोत एसटीजी, बॉयलर, कम्प्रेसर, डीजी सेट आदि होंगे। एसटीजी को ध्वनिक बाड़े उपलब्ध कराए जाएंगे। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण), नियम 2000 के तहत पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा अधिसूचना दिनांक 14-02-2000 द्वारा निर्धारित मानकों के भीतर परिवेशी ध्वनि का स्तर होगा, अर्थात् दिन के समय ध्वनि का स्तर 75 डीबीए से कम होगा और रात के समय 70 डीबीए से कम होगा। ध्वनि के स्तर को और कम करने के लिए 2.10 हेक्टेयर विस्तृत हरित पट्टी विकसित की जाएगी। अतः प्रस्तावित परियोजना से आस-पास के क्षेत्रों में ध्वनि का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

3.3 जल पर्यावरण पर प्रभावों की भविष्यवाणी

- इंडक्शन फर्नेस, फेरो अलॉयज संयंत्र से उत्पन्न दूषित जल को ईटीपी में उपचारित किया जाएगा और ग्रीनबेल्ट के विकास के लिए उपयोग किया जाएगा।
- रोलिंग मिल से दूषित जल को तेल विभाजक के बाद सेटलिंग टैंक में भेजा जाएगा और बंद सर्किट शीतलन प्रणाली के माध्यम से पुनर्नवीनीकरण किया जाएगा।
- कोयला गैसीफायर से उत्पन्न दूषित जल में फेनोलिक यौगिक होते हैं जो आस-पास की डीआरआई इकाइयों को एबीसी कक्ष में उपयोग करने के लिए दिए जाएंगे।
- सेनेटरी दूषित जल को एसटीपी में उपचारित किया जाएगा और उपचार के बाद इसे ग्रीनबेल्ट के विकास के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।
- आरओ रिजेक्ट्स का उपयोग फर्श की धुलाई, शौचालय की सफाई और फ्लशिंग के लिए किया जाएगा।
- मानसून के दौरान उपचारित एफ्लुएंट का उपयोग रोलिंग मिल में मेक-अप जल के रूप में किया जाएगा। इस हिसाब से बरसात के दिनों में रोलिंग मिल का मेकअप जल भी कम हो जाता है।

- जीरो लिक्विड एफ्लुएंट डिस्चार्ज प्रैक्टिस अपनाई जाएगी।

3.4 भूमि पर्यावरण पर प्रभावों की भविष्यवाणी

एस.पी.सी.बी. मानकों को प्राप्त करने के लिए एफ्लुएंट का उपचार किया जाएगा। जीरो एफ्लुएंट डिस्चार्ज को अपनाया जाएगा। सी.पी.सी.बी./एस.पी.सी.बी. मानदंडों का अनुपालन करने के लिए सभी आवश्यक वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रणालियां प्रदान की जाएंगी। सी.पी.सी.बी./एस.पी.सी.बी. के मानदंडों के अनुसार सभी ठोस कचरे का निपटान/उपयोग किया जाएगा। दिशा-निर्देशों के अनुसार 2.10 हेक्टेयर व्यापक हरित पट्टी विकसित की जाएगी। अतः प्रस्तावित परियोजना से भू-पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

3.5 सामाजिक - आर्थिक पर्यावरण

प्रस्तावित परियोजना के कारण क्षेत्र और क्षेत्र के विकास में लोगों की सामाजिक आर्थिक स्थिति में कुछ उत्थान होगा। ग्राम पंचायत के परामर्श से विकास कार्य कराए जाएंगे। इससे अध्ययन क्षेत्र में रहने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति, शैक्षिक और चिकित्सा स्तर निश्चित रूप से ऊपर की ओर बढ़ेगा जिसके परिणामस्वरूप समग्र आर्थिक विकास, सामान्य सौंदर्य वातावरण में सुधार और व्यावसायिक अवसरों में वृद्धि होगी।

4.0 पर्यावरण अनुवीक्षण कार्यक्रम

एस.पी.सी.बी. और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार परियोजना के बाद की निगरानी की जाएगी जो नीचे सारणीबद्ध हैं:

तालिका क्रमांक 4.1: पर्यावरण पैरामीटर के लिए निगरानी अनुसूची

अनु क्रमांक	विवरण	निगरानी की आवृत्ति	नमूने की अवधि	पैरामीटर की निगरानी की आवश्यकता
1. जल और दूषित जल की गुणवत्ता				
A.	क्षेत्र में जल की गुणवत्ता	महीने में एक बार भारी धातुओं को छोड़कर जिनकी निगरानी तिमाही आधार पर की जाएगी	ग्रैब नमूनीकरण	आई.एस. 10500 के अनुसार:
B.	ई.टी.पी. के आउटलेट पर एफ्लुएंट	महीने में दो बार	समग्र नमूनीकरण	ई.पी.ए. नियम 1996 के अनुसार
C.	एस.टी.पी. इनलेट और आउटलेट	महीने में दो बार	समग्र नमूनीकरण	ई.पी.ए. नियम 1996 के अनुसार
2. वायु की गुणवत्ता				

अनु क्रमांक	विवरण	निगरानी की आवृत्ति	नमूने की अवधि	पैरामीटर की निगरानी की आवश्यकता
A.	चिमनी की निगरानी	CEMS (प्रमुख स्टैक)	--	PM, SO ₂ व NO _x
		महीने में एक बार	--	PM, SO ₂ व NO _x
B.	परिवेशी वायु गुणवत्ता	(सी.ए.ए.क्यू.एम.एस.) त्रैमासिक एक बार	निरन्तर 24 घंटे	PM _{2.5} , PM ₁₀ , SO ₂ , NO _x PM _{2.5} , PM ₁₀ , SO ₂ , NO _x व CO
C.	फुजिटिव उत्सर्जन	महीने में एक बार	8 घंटे	PM
3. मौसम संबंधी निर्दिष्ट				
	मौसम संबंधी आंकड़ों की निगरानी संयंत्र में की जाएगी।	प्रतिदिन	निरंतर निगरानी	तापमान, सापेक्ष आर्द्रता, वर्षा, वायु की दिशा और वायु की गति
4. ध्वनि स्तर की निगरानी				
	परिवेशी ध्वनि का स्तर	महीने में एक बार (प्रति घंटा)	24 घंटे के लिए 1 घंटे के अंतराल के साथ लगातार	ध्वनि स्तर

5.0 अतिरिक्त अध्ययन

प्रस्तावित परियोजना के कारण लोगों का कोई विस्थापन नहीं है। कोई पुनर्वास और पुनर्स्थापन की आवश्यकता नहीं है क्योंकि साइट औद्योगिक विकास केंद्र बोर्ड में स्थित है। इस प्रकार पुनर्वास और पुनर्स्थापन मुद्दे लागू नहीं होते हैं।

6.0 परियोजना के लाभ

प्रस्तावित परियोजना के स्थापित होने से रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। क्षेत्र में जमीन के दाम बढ़ेंगे। प्रस्तावित परियोजना से क्षेत्र के लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। समय-समय पर मेडिकल चेकअप कराया जाएगा। रोजगार में स्थानीय लोगों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

7.0 पर्यावरण प्रबंधन योजना

7.1 वायु पर्यावरण

प्रस्तावित विस्तार परियोजना में प्रस्तावित वायु उत्सर्जन नियंत्रण प्रणालियां निम्नलिखित हैं:

तालिका क्रमांक 7.1: प्रस्तावित वायु उत्सर्जन नियंत्रण प्रणाली

अनु क्रमांक	स्रोत	नियंत्रण उपकरण	आउटलेट पर वायु उत्सर्जन
1.	इंडक्शन फर्नेस	पीटीएफई बैग फिल्टर के साथ धूआं निष्कर्षण प्रणाली	PM < 30 mg/Nm ³
2.	रोलिंग मिल से जुड़ी फर्नेस को फिर से गर्म करना	स्टैक	PM < 30 mg/Nm ³
3.	सबमर्चर्ड इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस	PTFE बैग फिल्टर के साथ फोर्थ होल फ्यूम एक्सट्रैक्शन सिस्टम	PM < 30 mg/Nm ³

टिप्पणी: उपरोक्त फ्यूम एक्सट्रैक्शन सिस्टम के अलावा बैगफिल्टर, डस्ट सप्रेसन सिस्टम, कवर्ड कन्वेयर, मैकेनिकल डस्ट स्वीपर आदि भी लगाए जाएंगे।

उपरोक्त के अलावा संयंत्र में निम्नलिखित वायु उत्सर्जन नियंत्रण प्रणाली/उपाय प्रस्तावित हैं:

- उड़ने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए सभी कन्वेयर पूरी तरह से जीआई शीट से ढके होंगे।
- सभी बिन पूरी तरह से पैक और ढके हुए होंगे ताकि धूल के रिसाव की कोई संभावना न रहे।
- सभी धूल प्रवण बिंदु सामग्री हैंडलिंग सिस्टम को बैग फिल्टर के साथ डी-डस्टिंग सिस्टम से जोड़ा जाएगा।
- सभी डिस्चार्ज पॉइंट और फीड पॉइंट, जहाँ कहीं भी धूल पैदा होने की संभावना है, धूल को इकट्ठा करने के लिए एक डी-डस्टिंग सक्शन पॉइंट प्रदान किया जाएगा।

7.2 जल पर्यावरण

- इंडक्शन फर्नेस, फेरो अलॉयज संयंत्र से उत्पन्न दूषित जल को ईटीपी में उपचारित किया जाएगा और हरितपट्टी के विकास के लिए उपयोग किया जाएगा।
- रोलिंग मिल से दूषित जल को तेल विभाजक के बाद सेटलिंग टैंक में भेजा जाएगा और बंद सर्किट शीतलन प्रणाली के माध्यम से पुनर्नवीनीकरण किया जाएगा।
- कोयला गैसीफायर से उत्पन्न दूषित जल में फेनोलिक यौगिक होते हैं जो आस-पास की डीआरआई इकाइयों को एबीसी कक्ष में उपयोग करने के लिए दिए जाएंगे।
- सेनेटरी दूषित जल को एसटीपी में उपचारित किया जाएगा और उपचार के बाद इसे हरितपट्टी के विकास के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।
- आरओ रिजेक्ट्स का उपयोग फर्श की धुलाई, शौचालय की सफाई और फ्लशिंग के लिए किया जाएगा।

- मानसून के दौरान उपचारित एफ्लुएंट का उपयोग रोलिंग मिल में मेक-अप जल के रूप में किया जाएगा। इस हिसाब से बरसात के दिनों में रोलिंग मिल का मेकअप जल भी कम हो जाता है।
- जीरो लिक्विड एफ्लुएंट डिस्चार्ज प्रणाली अपनाई जाएगी।

उपचारित सीवेज की विशेषताएं

अनुक्रमांक	पैरामीटर	पैरामीटर की सीमा
1.	पी.एच.	6.5 – 8.0
2.	बी.ओ.डी. (मिलीग्राम / एल)	10 से अधिक नहीं
3.	सी.ओ.डी. (मिलीग्राम / एल)	50 से अधिक नहीं
4.	टी.एस.एस. (मिलीग्राम / एल)	20 से अधिक नहीं
5.	NH ₄ -N (मिलीग्राम / एल)	5 से अधिक नहीं
6.	N-कुल (मिलीग्राम / एल)	10 से अधिक नहीं
7.	फेकल कोलीफॉर्म (MPN/100 मिली)	100 से कम

उपचारित एफ्लुएंट अपवहन

कुल उपचारित एफ्लुएंट उत्पादन	58 केएलडी
फर्श की धुलाई, शौचालय की सफाई और फ्लशिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले आरओ रिजेक्ट्स।	8 केएलडी
हरितपट्टी के विकास के लिए एफ्लुएंट का उपयोग किया जाना है	50 केएलडी

उपचारित एफ्लुएंट का उपयोग कर संयंत्र परिसर के भीतर 2.10 हेक्टेयर हरित पट्टी विकसित की जाएगी। हरितपट्टी के विकास के लिए उपचारित एफ्लुएंट का उपयोग करने के लिए एक पाइप वितरण नेटवर्क प्रदान किया जाएगा।

7.3 ध्वनि पर्यावरण

प्रस्तावित परियोजना में ध्वनि उत्पादन के प्रमुख स्रोत फर्नेस, रोलिंग मिल, डीजी सेट आदि होंगे। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण), नियम 2000 के तहत 14-02-2000 की अधिसूचना दिनांक 14-02-2000 के तहत पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानकों के भीतर परिवेशी ध्वनि का स्तर होगा यानी ध्वनि का स्तर दिन के समय 75 dBA से कम और रात के समय में 70 dBA से कम होगा। ध्वनि के स्तर को और कम करने के लिए 2.10 हेक्टेयर विस्तृत हरित पट्टी विकसित की जाएगी। अतः प्रस्तावित परियोजना से आस-पास के क्षेत्रों में ध्वनि का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

7.4 भूमि पर्यावरण

एस.पी.सी.बी. मानकों को प्राप्त करने के लिए प्रवाह का उपचार किया जाएगा। जीरो एफ्लुएंट डिस्चार्ज को अपनाया जाएगा। सी.पी.सी.बी./एस.पी.सी.बी. मानदंडों का अनुपालन करने के लिए सभी आवश्यक वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रणालियां प्रदान की जाएंगी। सभी ठोस कचरे का निपटान/उपयोग सी.पी.सी.बी./एस.पी.सी.बी. के मानदंडों के अनुसार किया जाएगा। दिशा-निर्देशों के अनुसार 2.10 हेक्टेयर व्यापक हरित पट्टी विकसित की जाएगी। वांछनीय सौंदर्यीकरण और भूनिर्माण प्रथाओं का पालन किया जाएगा। अतः प्रस्तावित परियोजना से भू-पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

तालिका क्रमांक 7.2: ठोस अपशिष्ट उत्पादन और अपवहन

अनु क्र.	अपशिष्ट	मात्रा (टी.पी.ए.) (प्रस्तावित विस्तार के बाद)	अपवहन व्यवस्था
1.	एस.एम.एस. स्लैग	19,800	एस.एम.एस. से निकले स्लैग को क्रश करके लोहा रिकवर किया जाएगा और शेष अचुंबकीय पदार्थ प्राकृतिक रूप से निष्क्रिय होने पर सड़क निर्माण के लिए ईट निर्माण इकाई और सड़क ठेकेदारों को दिया जाएगा।
2.	मिल स्केल	6,864	प्रस्तावित फेरो अलॉय संयंत्र में कैप्रिव रूप से इस्तेमाल किया जाएगा।
3.	एन्ड कट्टिंग	15,840	इंडक्शन फर्नेस में कैप्रिव रूप से पुनः उपयोग किया जाएगा।
4.	FeMn से स्लैग	16,929	SiMn के निर्माण में पुनः उपयोग किया जाएगा क्योंकि इसमें उच्च SiO ₂ और सिलिकॉन शामिल हैं।
5.	FeSi से स्लैग	1,854	कास्ट आयरन फाउंड्री को दिया जाएगा
6.	SiMn से स्लैग	14,252	सड़क निर्माण के लिए उपयोग किया जाएगा / स्लैग सीमेंट निर्माण के लिए दिया जाएगा
7.	FeCr से स्लैग	9293	क्रोम रिकवरी के लिए जिगिंग संयंत्र में प्रोसेस किया जाएगा। क्रोम रिकवरी के बाद बचे हुए स्लैग का टीसीएलपी टेस्ट के माध्यम से क्रोम कंटेंट के लिए विश्लेषण किया जाएगा, अगर स्लैग में क्रोम कंटेंट अनुमेय सीमा के भीतर है, तो इसका उपयोग सड़क बिछाने/ईट निर्माण इकाइयों को देने के लिए किया जाएगा। यदि क्रोम सामग्री अनुमेय सीमा से अधिक है, तो इसे निकटतम TSDF को भेजा जाएगा।

7.5 हरितपट्टी विकास

संयंत्र परिसर में 2.10 हेक्टेयर विस्तृत हरितपट्टी विकसित की जाएगी। प्रस्तावित हरितपट्टी की चौड़ाई 15-20 मीटर के बीच है।

7.6 पर्यावरण संरक्षण के लिए लागत

प्रस्तावित संयंत्र के लिए पर्यावरण संरक्षण हेतु पूंजीगत लागत : रु. 21.45 करोड़

पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रति वर्ष आवर्ती लागत : रु. 3.73 करोड़

7.7 CREP सिफारिशों का कार्यान्वयन

सभी CREP सिफारिशों का सख्ती से पालन किया जाएगा.

- सभी स्टैक से जुड़े स्टैक के लिए निरंतर स्टैक मॉनिटरिंग सिस्टम प्रस्तावित है।
- संयंत्र के संचालन के दौरान एस.पी.सी.बी. के परामर्श से ऑनलाइन परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।
- सी.पी.सी.बी. के मानदंडों के अनुसार फ्युजिटिव उत्सर्जन मॉनिटरिंग की जाएगी।
- सभी प्रदूषण नियंत्रण प्रणालियों के लिए ऊर्जा मीटर लगाए जाएंगे।
- सीजीडब्ल्यूबी के परामर्श से वर्षा जल संचयन गड्डों का निर्माण किया जा रहा है।